Regularisng Causal Employees In ONGC

*337. SHRI KARNENDU BHATTACHARJEE: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Oil and Natural Gas Commissionn has employed a large number of casual workers in the projects who have been working there on casual basis regularly for more than two decades and have not been regularised in the services so far;

(b) if so, the reasonns therefor; and

(c) whether Government propose to regularise these casual workers now and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF PERTOLEUM AND NATURAL GAS (SHRI K. RAMAMURTHY): (a) to (c) No, Sir, ONGC in its projects has not employed a large number of such casual workers who have been working regularly for more than two decades.

Dam in Assam

*338. SHRIMATI BASANTI SARMA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government propose to set up any dam on the pattern of Bhakhra Nagal Dam in the State of Assam to control the havoc arising from flood situation every year;

(b) if so, what are the details thereof and if not the reasons therefor; and

(c) the reaction of Government thereto and by when it is likely to be set up in the State?

THE MINISER OF STATE IN THE MINSTRY OF AGRICULTURE AND WATER RESOURCES (SHRI SOMPAL):

(a) to (c) Brahmaputra Board has completed investigations and preparation of detailed project report for a storage dam on Pagladiya river; a tributary of Brahmaputra in Nalbari district of Assam. The project envisages construction of a 26 meter high dam with a storage of 278 millon cubic meter to modrate floods; over an area of 40,000 hectares; provide irrigation facilities to a command of 54,000 hectares; and to produce 8.64 Gega watt hour of hydropower annnually. The project proposal has been taken up for implementaion as a Central Sector Project. The similarity between Pagladiya dam and Bhakra Nagal project is that both provide substantial irrigation benefits, but their scope in respect of flood management is quite different.

मध्य प्रदेश में कपास उत्पादन

*339. **श्री लक्खीराम अग्रवाल:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मध्य प्रदेश में कपास को एक महत्वपूर्ण वाणिज्यिक और रेशेदार फसल के रूप में उगाया जाता है;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1997 में कुल कितने क्षेत्र में कपास की खेती की जा रही थी और कपास उत्पादन कितना था;

(ग) वर्ष 1998 में कितने क्षेत्र में कपास की खेती की गई थी और उसका उत्पादन कितना था; और

(घ) मध्य प्रदेश तथा पंजाब में कपास का लागत मूल्य क्या है और दोनों राज्यों में प्रति एकड़ कपास उत्पादन का ब्यौरा क्या है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सोम पाल): (क) से (घ) मध्य प्रदेश में कपास की फसल कुल फसल क्षेत्र का लगभग 2 प्र. श. है। वर्ष 1997-98 और 1998-99 के दौरान कपास के क्षेत्र और उत्पादन का आकलन इस प्रकार है:

मध्य प्रदेश में कपास का क्षेत्र तथा उत्पादन

वर्ष	क्षेत्र (लाख हैक्टेयर)	उत्पादन (प्रत्येक 170 कि.ग्रा. की लाख गांठें)
1997-98	5.17	5.04
1998-99	4.92	4.81

(घ) उत्पादन लागत और अन्य संगत घटकों के आधार पर वर्ष 1998-99 के लिए कपास का न्यूनतम समर्थन मूल्य एफ-414/एच-777/जे-34 किस्मों के लिए 1330 रुपये प्रति क्विंटल और एच-4 किस्म के लिए 1530 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

जनवरी-फरवरी, 1999 के दौरान पंजाब में कपास की विभिन्न किस्मों की कीमतें 1775 रुपये प्रति क्विंटल से 2200 रुपये के बीच थीं जबकि मध्य प्रदेश में ये कीमतें 1750 रुपये प्रति क्विंटल से 1875 रुपये प्रति क्विंटल के दायरें में थीं।